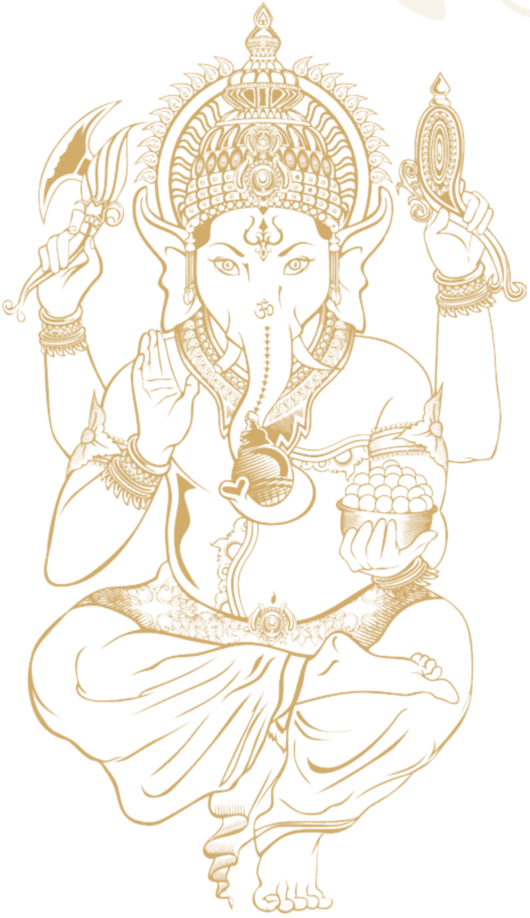

Ankita

19 Jan 1993

11:10 AM

Lucknow

Model: web-freekundliweb

Order No: 120935302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**19/01/1993**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:10:00 घंटे**
इष्ट	10:33:47 घटी
स्थान	**Lucknow**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:50:00 उत्तर
रेखांश	80:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:06:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:03:36 घंटे
वेलान्तर	-00:10:44 घंटे
साम्पातिक काल	18:58:07 घंटे
सूर्योदय	06:56:29 घंटे
सूर्यास्त	17:38:01 घंटे
दिनमान	10:41:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	05:23:55 मकर
लग्न के अंश	26:18:07 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	ध्रुव
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	यी-यीशू
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	26:18:07	487:25:57	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	---
सूर्य			मक	05:23:55	01:01:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	25:07:06	12:43:40	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	नीच राशि
मंगल	व		मिथु	19:39:21	00:20:18	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	मंगल	शत्रु राशि
बुध		अ	मक	02:31:11	01:38:54	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	सम राशि
गुरु			कन्या	20:46:49	00:01:51	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	22:27:42	01:01:16	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि			मक	24:36:48	00:06:58	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	स्वराशि
राहु			वृश्चि	27:20:30	00:00:16	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
केतु			वृष	27:20:30	00:00:16	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
हर्ष			धनु	24:59:10	00:03:32	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
नेप			धनु	25:16:49	00:02:15	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	01:19:26	00:01:20	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
दशम भाव			धनु	19:36:42	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:54

लग्न-चलित

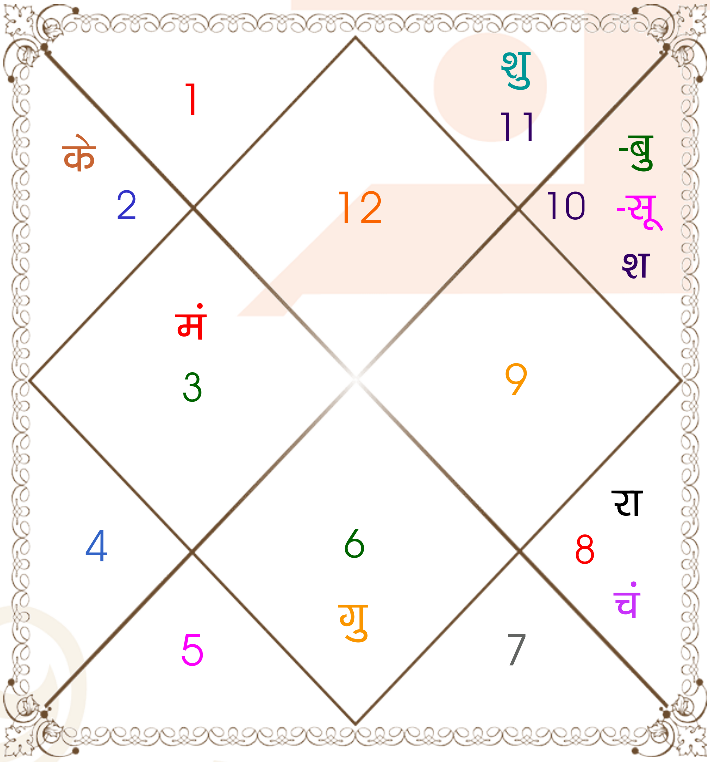

चन्द्र कुंडली

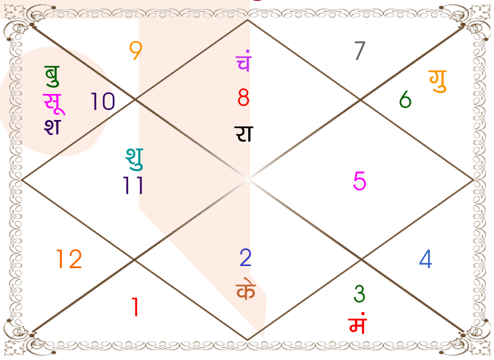

नवमांश कुंडली

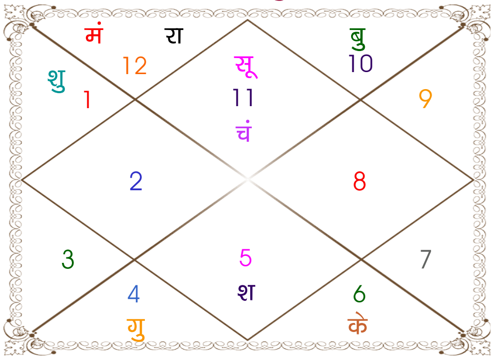

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 6 वर्ष 2 मास 20 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
19/01/1993	**11/04/1999**	**11/04/2006**	**11/04/2026**	**11/04/2032**
11/04/1999	**11/04/2006**	**11/04/2026**	**11/04/2032**	**11/04/2042**
00/00/0000	केतु 07/09/1999	शुक्र 11/08/2009	सूर्य 30/07/2026	चंद्र 09/02/2033
00/00/0000	शुक्र 07/11/2000	सूर्य 11/08/2010	चंद्र 28/01/2027	मंगल 10/09/2033
00/00/0000	सूर्य 14/03/2001	चंद्र 11/04/2012	मंगल 05/06/2027	राहु 12/03/2035
00/00/0000	चंद्र 13/10/2001	मंगल 11/06/2013	राहु 29/04/2028	गुरु 11/07/2036
00/00/0000	मंगल 12/03/2002	राहु 10/06/2016	गुरु 15/02/2029	शनि 09/02/2038
19/01/1993	राहु 30/03/2003	गुरु 09/02/2019	शनि 28/01/2030	बुध 12/07/2039
राहु 26/04/1994	गुरु 05/03/2004	शनि 11/04/2022	बुध 04/12/2030	केतु 10/02/2040
गुरु 01/08/1996	शनि 14/04/2005	बुध 09/02/2025	केतु 11/04/2031	शुक्र 10/10/2041
शनि 11/04/1999	बुध 11/04/2006	केतु 11/04/2026	शुक्र 11/04/2032	सूर्य 11/04/2042

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
11/04/2042	**11/04/2049**	**11/04/2067**	**11/04/2083**	**12/04/2102**
11/04/2049	**11/04/2067**	**11/04/2083**	**12/04/2102**	**00/00/0000**
मंगल 07/09/2042	राहु 23/12/2051	गुरु 30/05/2069	शनि 14/04/2086	बुध 08/09/2104
राहु 26/09/2043	गुरु 18/05/2054	शनि 11/12/2071	बुध 22/12/2088	केतु 05/09/2105
गुरु 01/09/2044	शनि 24/03/2057	बुध 18/03/2074	केतु 31/01/2090	शुक्र 06/07/2108
शनि 10/10/2045	बुध 11/10/2059	केतु 22/02/2075	शुक्र 02/04/2093	सूर्य 12/05/2109
बुध 08/10/2046	केतु 28/10/2060	शुक्र 23/10/2077	सूर्य 15/03/2094	चंद्र 12/10/2110
केतु 06/03/2047	शुक्र 29/10/2063	सूर्य 11/08/2078	चंद्र 14/10/2095	मंगल 09/10/2111
शुक्र 05/05/2048	सूर्य 22/09/2064	चंद्र 11/12/2079	मंगल 22/11/2096	राहु 20/01/2113
सूर्य 10/09/2048	चंद्र 24/03/2066	मंगल 16/11/2080	राहु 29/09/2099	00/00/0000
चंद्र 11/04/2049	मंगल 11/04/2067	राहु 11/04/2083	गुरु 12/04/2102	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 6 वर्ष 3 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रुख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरुप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।